Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to renovate Hajarimal Dharmashala in Champaran, Bihar.

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण): अध्यक्ष महोदय, मैं सरोगेसी बिल पर बोल रहा था, लेकिन जब आपका इशारा हुआ, तो मैं एक मिनट ही बोल कर बैठ गया । आपने मुझे इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं ।

महोदय, चंपारण स्वतंत्रता आंदोलन की पहचान है । महात्मा गांधी हमारे यहां चंपारण आंदोलन के दरम्यान दो वर्षों तक रहे थे । जिस हजारीमल धर्मशाला में महात्मा गांधी, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद तथा आचार्य कृपलानी जैसी विभूतियां रही हैं, वह धर्मशाला आज पूरी तरह से जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है ।

उस बिल्डिंग को एएसआई ने ले लिया है, हमारे कला और संस्कृति विभाग ने ले भी लिया है । इस धर्मशाला में, जहां महात्मा गांधी जी ने दो सालों तक रहकर, निलहों पर जो अत्याचार हुए थे, उसकी पूरी रिकार्डिंग की थी । उसको उसने अपने अंतर्गत ले भी लिया है, लेकिन आज तक उसका जीर्णोद्धार नहीं हो पाया है ।

मैं आपके माध्यम से यह अनुरोध करता हूं कि महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती है और लोक सभा की महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि होगी कि अगर माननीय मंत्री हजारीमल धर्मशाला का जीर्णोद्धार करके, महात्मा गांधी जी की जो भी चीजें चम्पारण की विभिन्न जगहों पर रखी हुई हैं, उनको बेतिया में उस हजारीमल धर्मशाला में संग्रहालय के रूप में रखा जाए । पूरी जमीन का पुनरुद्धार किया जाए । वह मार्केट और काम्पलेक्स के बीच में इस तरह से छिप गया है कि अब पता भी नहीं चलता है कि यहां पर महात्मा गांधी जी वर्षों तक रहे थे ।

आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं ।

माननीय अध्यक्ष: डॉ. निशिकांत दुबे को डॉ. संजय जायसवाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।